CHOITHRAM SCHOOL, MANIK BAGH, INDORE

ANNUAL CURRICULUM PLAN SESSION 2017 – 2018

CLASS: V I

SUBJECT: SANSKRIT

Month & Working Days	Theme/ Sub-theme	Learning Objectives		Activities &Resources	Expected Learning Outcomes	Assessment
		Subject Specific (Content Based)	Behavioural (Application based)			
जून 15 कालांश – 4	वर्णमाला(स्वर, व्यंजन , अयोगवाह , संयुक्ताक्षर) अकारांत पुल्लिंग **व्याकरण** – शब्द रूप – पु बालक , तद् , एतद् (प्रथमा ,द्वितीया) (कर्ता कारक) धातु रूप – लट् लकार (प्रथम पुरुष)	**अधिगम उद्देश्य विशिष्ट उद्देश्य** ❖ श्रवण कौशल का विकास करना। ❖ ध्यानपूर्वक सुनकर शुद्ध उच्चारण करना सिखाना। ❖ संस्कृत भाषा का शुद्ध लेखन सिखाना। ❖ शब्दों के अंतिम वर्ण द्वारा लिंग की पहचान करना सिखाना। ❖ चित्रों की पहचानकर उनके नाम संस्कृत में लिखना	**व्यवहारिक उद्देश्य** संस्कृत भाषा का प्रयोग दैनिक जीवन में करने की आदत डालना।	प्रकिया पाठ के पूर्व गतिविधि –1 संस्कृत के कुछ शब्दों का उच्चारण करके छात्रों को ध्यान से सुनकर दोहराने को कहा जाएगा। जैसे––सः, बालकः , गजः आदि। गतिविधि–2 चित्र देखकर संस्कृत में नाम लिखिए। गतिविधि–3 चित्र देखकर उत्तर लिखिए। प्र.1 कृषकः किं करोति? प्र. 2गजौ किं कुरुतः? प्र.–3 कुक्कुराः किं कुर्वन्ति? प्र.–4 बालकः किं करोति? प्र.–5 सौचिकः किं करोति?	❖ श्रवण कौशल का विकास हुआ। ❖ ध्यानपूर्वक सुनकर शुद्ध उच्चारण करना सीखा। ❖ संस्कृत भाषा का शुद्ध लेखन सीखा। ❖ शब्दों के अंतिम वर्ण द्वारा लिंग की पहचान करना सीखा। ❖ संस्कृत के वचनों से परिचित हुए। ❖ चित्रों की पहचानकर उनके नाम संस्कृत में लिखने लगे।। ❖ धातु रूप से	प्र.1 कृषकः किं करोति? प्र. 2गजौ किं कुरुतः? प्र.–3 गतिविधि–3 चित्र देखकर उत्तर लिखिए। कुक्कुराः किं कुर्वन्ति? प्र.–4 बालकः किं करोति? प्र.–5 सौचिकः किं करोति? **के व्दारा**

		सिखाना। ❖ धातु रूप से परिचित कराना। ❖ प्रश्नवाचक शब्दों से परिचित कराना ❖ छोटे –छोटे वाक्यों को संस्कृत में लिखना सिखाना।			परिचित हुए। ❖ प्रश्नवाचक शब्दों का अर्थ समझकर उत्तर लिखने में सक्षम हुए। ❖ छोटे –छोटे वाक्यों को संस्कृत में लिखने लगे। ❖ संस्कृत भाषा का प्रयोग दैनिक जीवन में करने लगे।	
जुलाई .24 कालांश – 6	आकारान्त स्त्रीलिंग **व्याकरण** – शब्द रूप – स्त्री तद् , एतद् , बालिका (प्रथमा ,द्वितीया)	❖ संस्कृत के वचनों से परिचय कराना। ❖ वचनानुसार शब्दों का प्रयोग करना सीखेंगे।	**संस्कृत के नामों को जानेंगे।**	वचनानुसार रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – **एक वचन द्विवचन बहुवचन** **लता लते लताः** **गोता** .... **पेटिका** .... **रोटिके**	❖संस्कृत के वचनों से परिचित हुए । ❖**संस्कृत के नामों को जाना।** ❖वचनानुसार शब्दों का प्रयोग करना सीखा।	वचनानुसार रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – **एक वचन द्विवचन बहुवचन** **लता लते लताः** **गीता** .... **पेटिका** .... **रोटिके** .... के द्वारा
अगस्त –	अकारान्त	❖**संस्कृत के**	❖**संस्कृत के नामों को**	**निर्देश के अनुसार वाक्यों की रचना**	❖वचनानुसार शब्दों	**निर्देश के अनुसार वाक्यों की रचना**

21 कालांश – 5	नपुंसकलिंग **व्याकरण** – शब्द रूप – तद् , एतद् , (प्रथमा ,द्वितीया)	नपुंसकलिंग शब्दों से परिचित होंगे। ❖वचनानुसार शब्दों का प्रयोग करना सीखेंगे।	**जानेंगे।**	**कीजिए–** **यथा –एतत् पतति । (बहुवचन) एतानि पतन्ति ।** **(क) एते पर्णे स्तः । (बहुवचन)...........** **(ख) मयूरः नृत्यति । (बहुवचन)...........** **(ग) एतानि यानानि । (व्दिवचन)...........** **(घ)छात्रे लिखतः । (बहुवचन)...........** **(ड.)नारिकेलं पतति । (व्दिवचन)...........**	का प्रयोग करना सीखा। ❖**संस्कृत के** नपुंसकलिंग शब्दों से परिचित हुए।	**कीजिए–** **यथा –एतत् पतति । (बहुवचन) एतानि पतन्ति ।** **(क) एते पर्णे स्तः । (बहुवचन)...........** **(ख) मयूरः नृत्यति । (बहुवचन)...........** **(ग) एतानि यानानि । (व्दिवचन)...........** **(घ)छात्रे लिखतः । (बहुवचन)...........** **(ड.)नारिकेलं पतति । (व्दिवचन)...........** **के व्दारा**
सितंबर 21 कालांश – 5	क्रोडास्पर्धा (सर्वनाम पयोगः) **व्याकरण** – चित्र वर्णन, अपठित बोध	❖ संस्कृत संभाषण कला में सक्षम बनाना। ❖ सटीक अर्थों का प्रयोग करना सिखाना। ❖ शुद्ध उच्चारण सिखाना। ❖ अर्थग्रहण क्षमता का विकास करना। ❖ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करना सिखाना। ❖ संस्कृत शब्द संपदा में वृद्धि करना।	❖ दैनिक उपयोग की ❖ वस्तुओं हेतु संस्कृत शब्दों का प्रयोग करना सिखाना। ❖ संवेदनशील बनाना।	**पाठ के पूर्व गतिविधि–1** **क्या आपके विद्यालय में खेल प्रतियोगिता होती है?** **क्या आप प्रतिभागिता करते हैं?** **पाठ वाचन व अनुवाद** **गतिविधि–2 अभ्यास कार्य** **उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **––––पठामि।(वयम्/अहम्)** **––––गच्छतः।(युवाम्/यूयम्)** **एतत्–––पुस्तकम्।(माम्/मम्)** **गतिविधि–2 एकवचन से बहुवचन लिखिए।** **एषः––सः––ताः––साः–––मम––त्वम्––** **गतिविधि–3 उचित शब्द चुनकर वाक्य रचना कीजिए।** **(मम, आवयोः, तव, युवयोः अस्माकम्, युस्माकम्)** **एतत––गृहम्।** **–––मैत्री दृढा।** **एषः––विद्यालयः।** **एषा––अध्यापिका।** **भारतम् ––देशः।**	❖ संस्कृत संभाषण कला में सक्षम हुए। ❖ सटीक अर्थों का प्रयोग करना सीखा। ❖ शुद्ध उच्चारण सीखा। ❖ अर्थग्रहण क्षमता का विकास हुआ। ❖ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करना सीखा। ❖ संस्कृत शब्द संपदा में वृद्धि हुई। ❖ दैनिक उपयोग की वस्तुओं को संस्कृत में बोलने लगे। ❖ संवेदनशील बने	**उचित सर्वनाम का प्रयोग कीजिए।** **––––पठामि।(वयम्/अहम्)** **––––गच्छतः।(युवाम्/यूयम्)** **एतत्–––पुस्तकम्।(माम्/मम्)** **गतिविधि–2 एकवचन से बहुवचन लिखिए।** **एषः––सः––ताः––साः–––मम––त्वम्––** **के व्दारा**

				गतिविधि–4 दैनिक उपयोग में काम आने वाली वस्तुओं के नाम संस्कृत में लिखिए। ❖	। ❖ स्बके कल्याण की भावना जागृत हुई।	
अक्टूबर — 17	पुनरावृत्ति I TERM END EXAMINATION					
नवम्बर — 23 कालांश — 6	सूक्तिस्तबकः	❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना। ❖ संस्कृत विषय पढ़ने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न करना। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित कराना।	❖ बालक से भी हितकर बात ग्रहण कर लेनी चाहिए, की सीख देना। ❖ पुस्तक में पढ़ी बात जीवन में अपनानी चाहिए, की सीख देना। ❖ मधुर वचन सबको खुश कर देते हैं, की सीख देना।	❖ पाठ को कहानी के रूप में सुनाना। ❖ पाठ की व्याख्या एवं यथास्थान कठिन शब्दों का अर्थ समझाना एवं लिखवाना। ❖ व्याख्या उपरांत बच्चों को स्वयं अनुवाद करने हेतु प्रेरित करना। गतिविधि (1) सुक्तियों के अनुवाद लिखना। गतिविधि (2) सुक्तिसतबकः पाठ से मिलने वाली शिक्षाओं को अपने शब्दों में लिखिए। गतिविधि (3) उचितम् विलोमपदानि योजयत– (उचित विलोम पदों का मिलान चुनकर कीजिए।) (क) (ख) सार्थकः आगच्छति कृष्णः	❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सीखा। ❖ संस्कृत विषय पढ़ने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न हुई। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित हुए। ❖ बालक से भी हितकर बात ग्रहण करना सीखा।	गतिविधि (2) सुक्तिसतबकः पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए। के व्दारा

				श्वेतः अनुक्तम् दीपकस्य गच्छति उक्तम् प्रदीपस्य निरर्थकः गतिविधि (4) उचितम् पर्यायम् पदानि योजयत– (उचित पर्यायवाची पदों का मिलान चुनकर कीजिए।) (मधुरवचनेनः , प्रसन्नाः , भवन्तिः , ग्रथः , मधुरम्ः , याति) 1. गच्छति .... 2. तुष्यन्ति .... 3. पुस्तकम् .... 4. प्रियम् .... 5. तस्मात् .... प्रियवाक्यप्रदानेन	❖ पुस्तक में पढ़ी बात जीवन में अपनाना सीखा। ❖ मधुर वचन से सबको खुश करने का प्रयास करने लगे हैं।	
	व्याकरण – अपठित बोध तृतीया व चतुर्थी विभक्ति का अभ्यास बकस्य प्रतीकारः **व्याकरण** – पुष्प	❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना। ❖ अव्यय शब्दों से परिचित कराकर अभ्यास कराना।	❖ बुरे व्यवहार का परिणाम दुखद होता है,से अवगत कराना। ❖ ईर्ष्या न करने की सीख देना। ❖ निर्णय क्षमता का विकास करना।	❖छात्रों से ही पाठ का नाम निकलवाने एवं उससे जोड़ने संबंधित गतिविधि – ❖यदि आपका कोई मित्र आपसे बुरा व्यवहार करे तो आपको कैसा लगेगा ? आपका उसके प्रति कैसा व्यवहार होगा ? गतिविधि (1)	अधिगम उपलब्धि– ❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सीखा। ❖ अव्यय शब्दों से परिचित होकर अभ्यास	गतिविधि (4) उचितम् अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत– (उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए।) (अद्य , अपि , प्रातः , कदा , सर्वदा , अधुना) 1. .... भ्रमणं स्वास्थ्याय भवति। 2. .... सत्यं वद।

	अव्यय,	❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित कराना।		❖पाठ को कहानी के रूप में सुनाना। ❖पाठ की व्याख्या एवं यथास्थान कठिन शब्दों का अर्थ समझाना एवं लिखवाना। ❖व्याख्या उपरांत बच्चों को स्वयं अनुवाद करने हेतु प्रेरित करना। गतिविधि (2) बकस्य प्रतीकार पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए। गतिविधि (3) बकस्य प्रतीकार पाठ की कहानी अपने शब्दों में लिखिए। गतिविधि (4) उचितम् अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत— (उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए।) (अद्य , अपि , प्रातः , कदा , सर्वदा , अधुना) 1. .... भ्रमणं स्वास्थ्याय भवति। 2. .... सत्यं वद। 3. त्वं .... मातुलगृहं गमिष्यसि। 4. दिनेशः विद्यालयं गच्छति, अहम् .... तेन सह गच्छमि। 5. .... विज्ञानस्य युगः अस्ति। 6. .... रविवासरः अस्ति।	कार्य किया। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित हुए। ❖ बुरे व्यवहार का परिणाम दुखद होता है,से अवगत हुए। ❖ किसी से ईर्ष्या न करने का प्रयत्न करने लगे। ❖ निर्णय क्षमता का विकास हुआ।	3. त्वं .... मातुलगृहं गमिष्यसि। 4. दिनशः विद्यालयं गच्छति, अहम् .... तेन सह गच्छमि। 5. .... विज्ञानस्य युगः अस्ति। 6. .... रविवासरः अस्ति। **के व्दारा**
दिसम्बर — 22 **कालांश — 5**	समुद्रतटः	❖ श्रवण कौशल का विकास करना। ❖ संस्कृत का सही उच्चारण करना	❖ समुद्र पर्यटन स्थलों के भ्रमण हेतु रुचि जाग्रत करना। ❖ अवलोकन क्षमता का	**गतिविधि—1 पाठ की अवधारणा/शीर्षक हेतु** **प्र. 1 क्या आपने समुद्र देखा है ?** **प्र. 2 समुद्र के किनारे(बीच) पर किस**	❖ श्रवण कौशल का विकास हुआ। ❖ संस्कृत का सही उच्चारण करना	**गतिविधि—2 चित्र वर्णन कीजिए। दिए गए सहायक शब्दों की सहायता से।** के व्दारा

		सिखाना। ❖ वाचन कौशल का विकास करना। ❖ संस्कृत का हिन्दी अनुवाद सिखाना। ❖ अर्थ ग्रहण क्षमता का विकास करना। ❖ तृतीया व चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग करना सिखाना। ❖ संस्कृत के प्रश्नवाचक शब्दों का अर्थ समझकर उत्तर लिखना/देना सिखाना। ❖ चित्र वर्णन सिखाना। ❖ उचित शब्दों का प्रयोग कर रिक्त स्थान की पूर्ति, सही मिलान करना सिखाना ।	विकास करना। ❖ सामान्य ज्ञान का विकास करना।	**प्रकार का दृश्य होता है ?** **प्र. 3 व्यवसायिक तौर पर समुद्र की क्या उपयोगिता है ?** **पाठ का वाचन व अनुवाद ....।** **छात्रों से भी वाचन कराया जाएगा ।** **गतिविधि–2 चित्र वर्णन कीजिए। दिए गए सहायक शब्दों की सहायता से।** **गतिविधि –3 मानचित्र कार्य –पाठ में वर्णित समुद्र तटों का नामांकन –**	सीखा। ❖ वाचन कौशल का विकास हुआ। ❖ संस्कृत का हिन्दी अनुवाद अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास हुआ। ❖ तृतीय व चतुर्थ विभक्ति का प्रयोग करना सीखा। ❖ संस्कृत के प्रश्नवाचक शब्दों का अर्थ समझकर उत्तर लिखना/देना सीखा ❖ चित्र वर्णन सीखा। ❖ उचित शब्दों का प्रयोग कर रिक्त स्थान की पूर्ति, सही मिलान करना सीखा। ❖ समुद्र पर्यटन स्थलों के भ्रमण हेतु रुचि जाग्रत हुई। ❖ अवलोकन क्षमता का विकास हुआ। ❖ सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई।	
	अंगुलियकं प्राप्तम्		❖ विपरित परिस्थितियों में	गतिविधि (1) पाठ को कहानी के रूप में लिखना।	❖ पंचमी और षष्ठी विभक्ति से परिचित	उचितम् अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत– (उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए।)

	व्याकरण – – बालक , बालिका , पुष्प (पचमी , षष्ठी) ,	❖ पंचमी और षष्ठी विभक्ति से परिचित कराना। ❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना। ❖ संस्कृत विषय पढ़ने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न करना। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित कराना।	न घबरा कर सही निर्णय लेने की सीख देना। ❖ सदा सच बोलने की सीख देना। प्रक्रिया–	गतिविधि (2) अंङ्गुलीयक प्राप्तम पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए। गतिविधि (3) उचितम् अव्ययपदं चित्वा रिक्तस्थानं पूरयत– (उचित पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए।) (श्रुत्वा , विक्रयाय , रतनशोभितम् , रोहितमत्स्य , उदरस्य) एकस्मिन् दिवसे मया .... खण्डशः कृत। तस्य .... अभ्यंतरे मया इदं .... अंङ्गुलीयकं प्राप्तम्। असम् अस्य आगमवृत्तन्तः। प्श्चात तस्य ....आगतः अहं आभ्याम् गृहीत। इदं .... मां मारयत वा।	हुए। ❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सीखा। ❖ संस्कृत विषय पढने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न हुई। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित हुए। ❖ विपरित परिस्थितियों में न घबरा कर सही निर्णय लेने की सीख जीवन में उतारने का प्रयास किया। ❖ सदा सच बोलने का संकल्प लिया।	(श्रुत्वा , विक्रयाय , रतनशोभितम् , रोहितमत्स्य , उदरस्य) एकस्मिन् दिवसे मया .... खण्डशः कृत। तस्य .... अभ्यंतरे मया इदं .... अंङ्गुलीयकं प्राप्तम्। असम् अस्य आगमवृत्तन्तः। प्श्चात तस्य ....आगतः अहं आभ्याम् गृहीत। इदं .... मां मारयत वा। **के व्दारा**
जनवरी – 20 **कालांश – 5**	दशमः त्वम् असि **व्याकरण** –संख्याएँ– 1 से 10 शब्द रूप – बालक , बालिका , पुष्प (तृतीया ,चतुर्थी) अव्यय प्रयोग	❖संख्यावाची पदों की जानकारी देना। ❖अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना।	❖ सतर्क एवं चौकन्ना रहने की सीख देना। ❖आत्मविश्वास जागृत करना। ❖ सही अवलोकन न करने से होने वाले असमंजस से परिचित कराना।	❖ पाठ को कहानी के रूप में सुनाना। ❖पाठ की व्याख्या एवं यथास्थान कठिन शब्दों का अर्थ समझाना एवं लिखवाना। ❖व्याख्या उपरांत बच्चों को स्वयं अनुवाद करने हेतु प्ररित करना। गतिविधि (2) संस्कृत गिनती लेखन (1–10 तक पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, नपुसकलिंग) गतिविधि (3)	❖संख्यावाची पदों के बारे में जाना। ❖अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सीखा। ❖संस्कृत विषय के प्रति रूचि उत्पन्न हुई। ❖सतर्क एवं चौकन्ना	❖ पाठ को कहानी के रूप में सुनाना। **के व्दारा**

				प्रदत्तविकल्पेभ्य उचितं पदं चित्वा वाक्यानि पूरयत। (दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।) 1. .... बालकाः नदीम् अगच्छन्। (अष्ट, नव, दश) 2. कश्चित् .... तत्र आगच्छत्। (बालकः , यात्रिकः ,पथिकः) 3. एकः नद्याः ....। (भग्नः, संलग्नः, मग्नः) 4. युष्माकम् .... कारणः किम् ? (हर्षस्य, दुःखस्य, बालकस्य) 5. ते .... पारं गताः । (दृष्ट्वा, श्रुत्वा, तीर्त्वा) गतिविधि (4) प्रदत्तविकल्पेभ्य उचितं पदं चित्वा वाक्यानि पूरयत। (दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।) 1. एकः एकः च .... भवतः। (द्वि, द्वे, द्वौ) 2. त्रयः षट् च .... भवन्तिः। (अष्ट, नव, दश) 3. चत्वारः चत्वारः च .... भवन्तिः। (अष्ट, अष्टः,अष्टा) 4. द्वौ त्रयः च .... भवन्तिः। (पंचः, पंच , पंचम्) गतिविधि (5)	रहना सीखा। ❖आत्मविश्वास जागृत हुआ। ❖सही अवलोकन न करने से होने वाले असमंजस से परिचित हुए।	

				दशमः त्वम् असि पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए।		
फरवरी – 21 **कालांश – 5**	श्लोकाः धातुरुप– लङ लकार (परिचय) **व्याकरण** – चित्र वर्णन, , अपठित बोध	❖ अर्थ ग्रहण कर संस्कृत के शब्दों एवं श्लोका का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित कराना।	❖श्लोका का सस्वर गायन सिखाना।	❖ श्लोका का सस्वर गायन करगे । ❖ अन्य 2 श्लोका का लेखन करगे ।	❖ अर्थ ग्रहण कर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सीखा। ❖ संस्कृत विषय पढ़ने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न हुई। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित हुए।	❖ श्लोका का सस्वर गायन करगे । **के व्दारा**
मार्च – 21 **कालांश – 5**	, अहहः आः च	**❖ अर्थ ग्रहणकर संस्कृत के शब्दों एवं वाक्यों का हिन्दी अनुवाद करना सिखाना। ❖ संस्कृत विषय पढ़ने एवं लिखने के प्रति रूचि उत्पन्न करना। ❖ संस्कृत के नए शब्दों से परिचित कराना।**	**❖ विपरित परिस्थितियों में न घबरा कर सही निर्णय लेने की सीख देना। ❖ लगन एवं परिश्रम से कार्य करने की सीख देना।**	**छात्रों से ही पाठ का नाम निकलवाने एवं उससे जोड़ने संबंधित गतिविधि – ❖ पाठ को कहानी के रूप में सुनाना। ❖ पाठ की व्याख्या एवं यथास्थान कठिन शब्दों का अर्थ समझाना एवं लिखवाना। ❖ व्याख्या उपरांत बच्चों को स्वयं अनुवाद करने हेतु प्रेरित करना।**	**गतिविधि (1) पाठ को कहानी के रूप में लिखना। गतिविधि (2) अहह आः च पाठ से मिलने वाली शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए। गतिविधि (3) उचितम् विलोमपदं चित्वा लिखत– (उचित विलोम पद चुनकर लिखिए।) (प्रविशति, सेवकः , मूर्ख , नेतुम्, नीचैः , दुःखितः)**	**पाठ को कहानी के रूप में लिखना। के व्दारा**

		❖				
			पुनरावृत्ति II TERM END EXAMINATION			